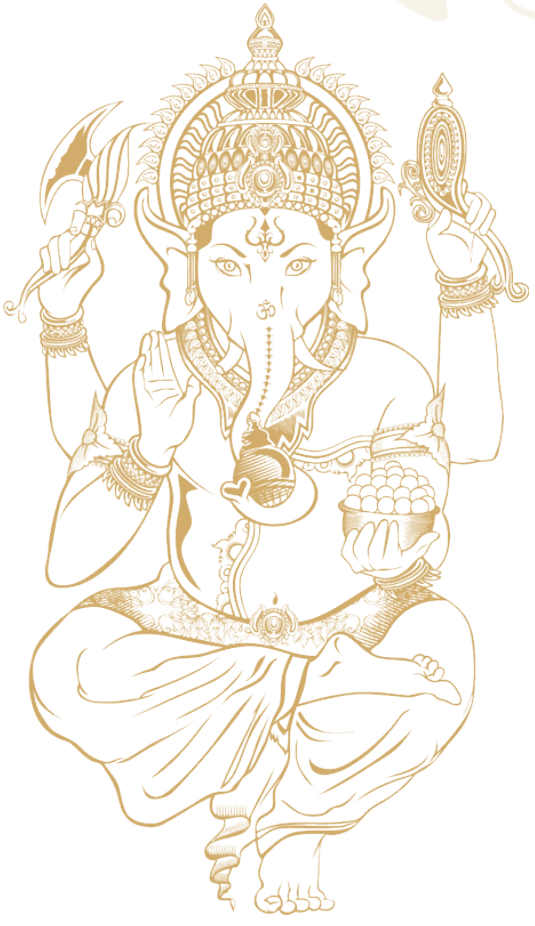

Miss. Neha Sharma

07 Aug 1998

03:15 AM

Sikar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121806104

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**6-07/08/1998**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**03:15:00 घंटे**
इष्ट	53:21:36 घटी
स्थान	**Sikar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:51:00 उत्तर
रेखांश	75:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:45:56 घंटे
वेलान्तर	-00:05:55 घंटे
साम्पातिक काल	23:46:50 घंटे
सूर्योदय	05:54:21 घंटे
सूर्यास्त	19:15:05 घंटे
दिनमान	13:20:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	20:22:59 कर्क
लग्न के अंश	15:07:31 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	प्रीति
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जयन्ती
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:07:31	319:48:27	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	---
सूर्य			कर्क	20:22:59	00:57:28	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मक	05:09:35	13:38:11	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
मंगल			मिथु	27:08:25	00:39:14	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध	व	अ	सिंह	02:27:17	00:34:05	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		मीन	03:35:08	00:03:48	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वराशि
शुक्र			मिथु	28:16:03	01:12:57	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मेष	09:43:26	00:00:56	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु	व		सिंह	07:39:21	00:02:01	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	07:39:21	00:02:01	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	16:47:13	00:02:23	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप	व		मक	06:33:36	00:01:34	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	11:29:05	00:00:18	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	02:34:17	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:08

लग्न-चलित

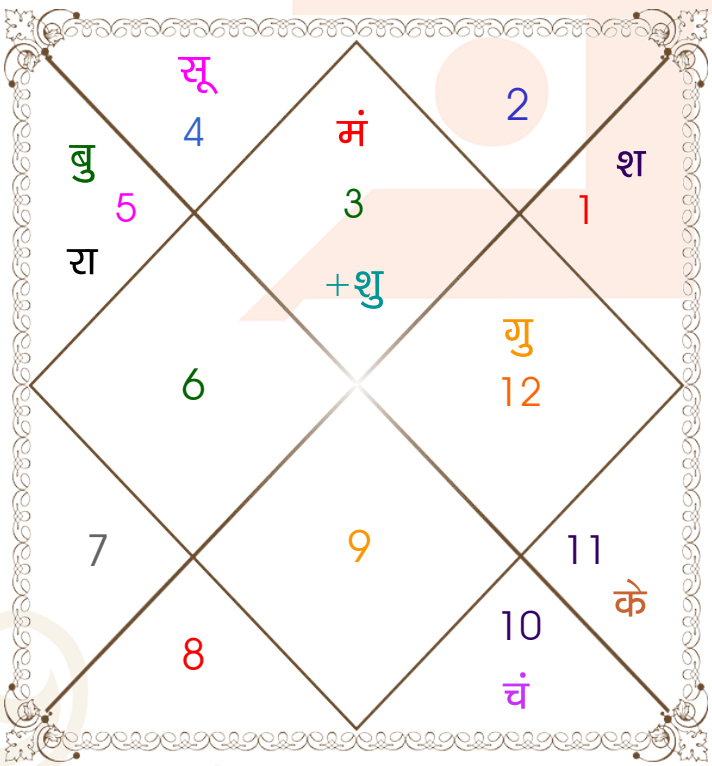

चन्द्र कुंडली

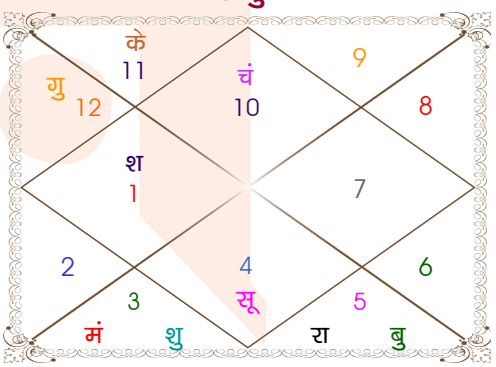

नवमांश कुंडली

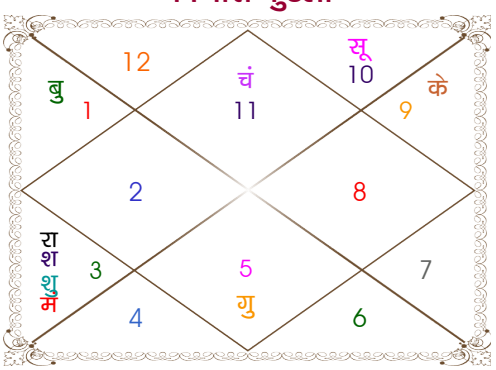

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 2 मास 4 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
07/08/1998		10/10/2000		11/10/2010		10/10/2017		11/10/2035	
10/10/2000		11/10/2010		10/10/2017		11/10/2035		11/10/2051	
	00/00/0000	चंद्र	11/08/2001	मंगल	09/03/2011	राहु	23/06/2020	गुरु	28/11/2037
	00/00/0000	मंगल	12/03/2002	राहु	26/03/2012	गुरु	16/11/2022	शनि	10/06/2040
	00/00/0000	राहु	11/09/2003	गुरु	02/03/2013	शनि	22/09/2025	बुध	16/09/2042
	00/00/0000	गुरु	10/01/2005	शनि	11/04/2014	बुध	11/04/2028	केतु	23/08/2043
	00/00/0000	शनि	11/08/2006	बुध	08/04/2015	केतु	29/04/2029	शुक्र	23/04/2046
	07/08/1998	बुध	10/01/2008	केतु	04/09/2015	शुक्र	29/04/2032	सूर्य	09/02/2047
बुध	05/06/1999	केतु	10/08/2008	शुक्र	04/11/2016	सूर्य	24/03/2033	चंद्र	10/06/2048
केतु	11/10/1999	शुक्र	11/04/2010	सूर्य	11/03/2017	चंद्र	22/09/2034	मंगल	17/05/2049
शुक्र	10/10/2000	सूर्य	11/10/2010	चंद्र	10/10/2017	मंगल	11/10/2035	राहु	11/10/2051

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/10/2051		11/10/2070		11/10/2087		11/10/2094		12/10/2114	
11/10/2070		11/10/2087		11/10/2094		12/10/2114		00/00/0000	
शनि	14/10/2054	बुध	08/03/2073	केतु	08/03/2088	शुक्र	09/02/2098	सूर्य	29/01/2115
बुध	23/06/2057	केतु	06/03/2074	शुक्र	08/05/2089	सूर्य	09/02/2099	चंद्र	31/07/2115
केतु	02/08/2058	शुक्र	03/01/2077	सूर्य	13/09/2089	चंद्र	11/10/2100	मंगल	06/12/2115
शुक्र	01/10/2061	सूर्य	10/11/2077	चंद्र	14/04/2090	मंगल	11/12/2101	राहु	29/10/2116
सूर्य	13/09/2062	चंद्र	11/04/2079	मंगल	10/09/2090	राहु	11/12/2104	गुरु	18/08/2117
चंद्र	14/04/2064	मंगल	08/04/2080	राहु	29/09/2091	गुरु	12/08/2107	शनि	31/07/2118
मंगल	23/05/2065	राहु	26/10/2082	गुरु	04/09/2092	शनि	12/10/2110	बुध	08/08/2118
राहु	29/03/2068	गुरु	31/01/2085	शनि	14/10/2093	बुध	12/08/2113		00/00/0000
गुरु	11/10/2070	शनि	11/10/2087	बुध	11/10/2094	केतु	12/10/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 1 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।